|  |
| --- |
| 08. Dezember 2024 |
| **2. Adventssonntag C** |
| Erste Lesung: Bar 5,1-9; Zweite Lesung: Phil 1,4-6.8-11; Evangelium: Lk 3,1-6 |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 218, 1+2 | Macht hoch die Tür |
|  | GL 223, 2 | Wir sagen euch an |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 158 | Tau aus Himmelshöhn |
|  | GL 151 | Herr, erbarme dich unser |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 126, 1-6 |  |
|  | Kehrvers: |  |
|  | GL 631, 3 | Der Herr hat Großes an uns getan |
|  | oder: |  |
|  | GL 221, 1+2 | Kündet allen in der Not |
|  |  |
| Halleluja-Ruf: | GL 175, 4 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *Bereitet dem Herrn den Weg!* |
|  | *Ebnet ihm die Straßen!* |
|  | *Und alle Menschen werden das Heil sehen,*  |
|  | *das von Gott kommt.* |
|  |  |
| Credo: | sprechen |  |
|  | GL 180, 1+2 | Credo in unum Deum |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 724, 1+4 | Tauet, Himmel, den Gerechten |
|  | GL 233, 1-4 | O Herr, wenn du kommst |
|  | GL 231, 4-6 | Wo bleibst du Trost |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 194 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 723, 4 | O komm, Erlöser, Gottes Sohn |
|  |  |  |
| Danksagung: | GL 726, 1+4!+6 | Gepriesen sei der starke Gott |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 230, 1+3+6 | Gott, heilger Schöpfer |
|  | GL 554, 1 | Wachet auf |
|  | GL 528 | Ein Bote kommt |
|  | GL 526 | Alle Tage sing und sage |
|  | GL 530 | Maria, Mutter unsres Herrn |